मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने सस्टेनबल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्री 4.0 पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अटल ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 12 नवंबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने 10 नवंबर, 2025 को "एड्वान्स्मेंट्स एंड एप्लिकेशन्स ऑफ सस्टेनबल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्री 4.0" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित एक-सप्ताहिक अटल ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का उद्घाटन किया। 10 से 15 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाले इस एफडीपी का उद्देश्य संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और उद्योग पेशेवरों को सतत एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों में नवीनतम विकास का पता लगाने के लिए एक गतिशील शैक्षणिक मंच प्रदान करना है।

ऑनलाइन आयोजित उद्घाटन सत्र में डीआरडीओ के पूर्व निदेशक (डीएफटीएम) इंजीनियर के. के. पाठक मुख्य अतिथि और जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद शरीफ विशेष अतिथि थे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. मोहम्मद सुहैब ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया और अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

अपने संबोधन में, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने एक दूरदर्शी और प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की सराहना की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संकाय विकास कार्यक्रम सहयोग, नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विषय पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा, "उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियाँ- जिनमें स्वचालन, रोबोटिक्स, IoT और डेटा एनालिटिक्स शामिल हैं- वैश्विक विनिर्माण परिदृश्य को नया रूप दे रही हैं। जब इन्हें सस्टेनेबल एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के साथ एकीकृत किया जाता है, तो इनमें अपशिष्ट को कम करके, दक्षता में सुधार करके और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी सुनिश्चित करके उद्योगों में क्रांति लाने की अपार क्षमता होती है।"

कार्यक्रम की शुरुआत एफडीपी के समन्वयक डॉ. तौसीफ उद्दीन सिद्दीकी के गर्मजोशी भरे स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद सह-समन्वयक डॉ. मोहम्मद जावेद ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. सिद्दीकी ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया और तकनीकी शिक्षा एवं अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में निरंतर सहयोग के लिए एआईसीटीई के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें देश भर से 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें संकाय सदस्य, शोध छात्र और शिक्षा जगत व उद्योग जगत के पेशेवर शामिल थे। सप्ताह भर चलने वाले एफडीपी में 16 विशेषज्ञ सत्र शामिल हैं, जिन्हें प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। पहला तकनीकी सत्र एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञ, आईआईटी दिल्ली के प्रो. पी. एम. पांडे द्वारा संचालित किया गया।

गणमान्य व्यक्तियों ने सतत विकास और तकनीकी नवाचार की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ एफडीपी को एलाइनिंग करने के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग को बधाई दी। उन्होंने इस कार्यक्रम के

आयोजन में उनकी प्रतिबद्धता और निर्बाध समन्वय के लिए समन्वयकों, डॉ. तौसीफ उद्दीन सिद्दीकी और डॉ. मोहम्मद जावेद के समर्पित प्रयासों की भी सराहना की।

विभाग ने एआईसीटीई को उनके उदार वित्तपोषण और सहयोग के लिए, और माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़ और कुलसचिव, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी को अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में उनके निरंतर प्रोत्साहन और नेतृत्व के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने में निरंतर प्रेरणा और मार्गदर्शन के लिए इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन, प्रो. मोहम्मद शरीफ की भी विशेष सराहना की गई।

उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. मोहम्मद जावेद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी